पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर विदेश मंत्री का संदेश

जून 26, 2018

पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर भारत और विदेशों में हमारे सभी पासपोर्ट जारीकर्ता प्राधिकारियों को सम्मानित करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है। विदेश मंत्रालय और इसके अधीनस्थ कार्यालय- केंद्रीय पासपोर्ट संगठन- इस उत्सव को मना रहे हैं और साथ ही इस अवसर पर समयबद्ध, सुनिश्चित, पारदर्शी और कुशल तरीके से बेहतर पासपोर्ट और अन्य संबंधित सेवाएं बेहतर ढंग से उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता दोहरा रहे हैं।

वर्ष 2017 को पासपोर्ट और अन्य संबंधित सेवाओं में लगभग 19% की प्रशंसनीय वृद्धि के लिए याद रखा जाएगा। मासिक आधार पर जमा होने वाले आवेदनों की संख्या पहली बार 10 लाख से अधिक हो गई है। कुशल पासपोर्ट प्रदाता प्रणाली तैयार करने के लिए मंत्रालय ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। न सिर्फ पासपोर्ट नियमावली के सरलीकरण का कार्य उसी उत्साह से जारी रहा बल्कि हमने पासपोर्ट सेवाओं को हमारे नागरिकों के घर तक ले जाने का प्रयास और कार्य किए हैं।

हमारी जनता के लिए आज 93 पासपोर्ट सेवा केंद्र सेवारत हैं। हमने प्रधान डाकघरों और अन्य डाकघरों में डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र स्थापित करके पासपोर्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए डाक विभाग के साथ अपनी साझेदारी को सदृढ़ किया है। हमने बड़े स्तर पर अपने नागरिकों के लिए पासपोर्ट सेवाओं का विस्तार करने और अधिक से अधिक क्षेत्रों को शामिल करने हेतु अभी तक तीन चरणों में 289, पीओपीएसके स्थापित करने की घोषणा की है। चरण-I में 86, चरण-II में 165 और चरण-III में 38 पीओएसके खोले जाने हैं। यह बहुत ही संतोष का विषय है कि चरण-I में निर्धारित 81, चरण-II में निर्धारित 130 और चरण-III में निर्धारित 2 पीओपीएसके ने कार्य करना शुरु कर दिया है। मंत्रालय शेष बचे पीओपीएसके के शीघ्र प्रचालन के लिए डाक विभाग के साथ घनिष्ठ सहयोग से कार्य कर रहा है। इन पीओपीएसके पर पासपोर्ट जारी करने से पूर्व आवश्यक अपेक्षित औपचारिकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए पासपोर्ट आवेदकों को 12,000 से अधिक अप्वाईटमेंट जारी किए जा रहे हैं। हमारे प्रयासों से आवेदकों को पासपोर्ट प्राप्त करने के लिए तय की जाने वाली दूरी कम करने में सहायता मिली है।

हमने सत्यापन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की आवश्यकता को हटाकर 'तत्काल' स्कीम के तहत पासपोर्ट प्राप्त करने की प्रक्रिया को आसान बनाया है। हमने पासपोर्ट आवेदनों को

प्रस्तुत करने हेतु एक मोबाइल प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के लिए 'डिजीटल इंडिया' का बेहतरीन उपयोग किया है। पुलिस सत्यापन की प्रक्रिया सरल की गई है और इसे नागरिक-अनुकूल बनाया गया है। हम अपने दूतावासों और कौंसुलावासों को पासपोर्ट सेवा परियोजना में शामिल करने के लिए कार्यरत हैं। हम आने वाले वर्षों में एक प्रभावी, पारदर्शी और उत्तरदायी सेवा प्रदाता प्रणाली उपलब्ध कराने की दिशा में कार्यरत हैं।

मैं इस अवसर पर आपसे अनुरोध करती हूं कि आप हमारी सरकार के मूल सिद्धांत: 'साफ नियत; सही विकास' के प्रति प्रतिबद्ध रहें। आइए, हम सब सुशासन प्रदान करने की दिशा में स्वयं को पुन: समर्पित करें और एक नए भारत का निर्माण करने के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए अधिक समावेशी और मजबूत तंत्र विकसित करने की प्रतिज्ञा करें।

*****